प्रेषक.

सुनीलश्री पांथरी, उप सचिव, उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में.

महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग- 5

देहरादूनः दिनांकः 18 सितम्बर, 2008

विषयः वित्तीय वर्ष 2008–09 में गांधी शताब्दी नेत्र चिकित्सालय देहरादून को अनुदान के रूप में अवशेष धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-7प/8/गा०शा0/37/2007/29779 दिनांक 31/10/2007 के संदर्भ में तथा व्यय वित्त समिति की दिनांक 18.06.2008 को आयोजित बैठक में लिये गये निर्णय के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ हैं कि श्रीराज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2008-09 में गांधी शताब्दी नेत्र चिकित्सालय, देहरादून के तीन तल (बेसमेन्ट, भूतल, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तल) भवनों के निर्माण कार्य हेतु आगणन की आंकलित धनराशि रूठ 12,71,38,000.00 के सापेक्ष परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण धनराशि रूठ 12,22,94,000.00 (रूठ बार्स लाख चौरानवे हजार मात्र) की लागत पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुये चालू वित्तीय वर्ष में उक्त भवनों के निर्माण कार्य हेतु रूठ 5,00,00,000.00 (रूठ प्रांच करोड़ मात्र) की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है ।

- 2— प्रस्तावित परियोजना कार्य एक प्रारम्भिक आगणन है । अतः कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व बास्तवित सर्वेक्षण के आधार पर विस्तृत आगणन एवं मानचित्रों का गठन कर तकनीकी स्वीकृति प्राप्त की जाये। निर्माण कार्यो की गुणवत्ता हेतु Third Party Inspection की व्यवस्था की जायेगी, जिसका व्यय निर्माण इकाई द्वारा वहन किया जायेगा।
- 3— एम0डी0डी0ए0 से अनुमोदन के पश्चात कार्य कराया जायेगा तथा निर्माण में आधारभूत आवश्यकताओं Solar Passive Architecture व Rain Water Harvesting व Solar light का प्राविधान किया जायेगा। साथ ही भूकम्प रोधी तकनीक व डिजाइन का समावेश किया जायेगा।
- 4— कार्य कराते समय लो०नि०वि० के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जायें। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण ऐजेन्सी का होगा।

- 5— धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा निर्माण इकाई अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, देहरादून को उपलब्ध करायी जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक स्था में इसी वित्तीय वर्ष में सुनिश्चित किया जायेगा। निर्माण ऐजेन्सी कार्य प्रारम्भ करने से पुर्व यह सुनिश्चित कर लें कि कार्य स्वीकृति लागत में ही पूर्ण कराया जायेगा तथा कियी भी दशा में लागत पुनरीक्षित नहीं की जायेगी।
- 6— आगणन में उल्लिखित दरों का विशलेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत दरों को तथा जो दरे स्वीकृत शेडयूल में नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- 7— कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व प्रस्तावित कार्यस्थल का मृदा परीक्षण अवश्य करा लिया जाये लथा मृदा परीक्षण आख्या में दिये गये सुझावों के अनुसार भवन निर्माण कार्य कराया जायें।
- 8— प्रस्तावित भवन के विस्तृत आंगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम आिकारी से प्राविधिक स्वीकृत प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जाये।
- 9— एकमुश्त प्राविधानों को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत ब्यौरा गठित कर सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन कराना आवश्यक होगा।
- 10— निर्माण समाग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जायें।
- 11— समस्त कार्य लो.नि.वि. की स्वीकृति दरों एवं विस्तृत विशिष्टियों के अनुरूप निर्धारित समय—सीमा के अन्तर्गत ही पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाये। विलम्ब के लिये आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
- 12- आगणन के भवन निर्माण की दरों में जिन मदों का प्रविधान किया गया है। उन सभी मदों का कार्य अवश्य पूर्ण कराया जाये।
- 13— आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी पर व्यय किया जाये। एक मद की राशि को दूसरी मद में कदापि व्यय किया जाये।
- 14- कार्य पर स्वीकृत लागत से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।
- 15— कार्य कराते समय लो०नि० विभाग के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण ऐजेन्सी कर होगा।

- 16- रवीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रावधानो में मैनुअल तथा शासन द्वारा मितव्ययेता के सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 17— स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर प्रशासन को उपलब्ध करायी जायेगी तथा यह भी स्पष्ट किया जायेगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्मित किया गया है।
- 18— निर्माण के समय यदि किसी कारण वंश यदि परिकल्पनाओं / विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस दशा में शासन की पूर्ण स्वीकृति आवश्यक होगी।
- 19— मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन के शा0सं0—2047/XIV—219(2006) दिनांक 30—05—2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 20— उक्त भवनो के कार्यो को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत पुनरीक्षित करने कर आवश्यकता न पड़े।
- 21— Charitable Endowments Act एवं अधिसूचना दिनांक 04.10.2007 के अधीन Scheme of Management लागू की जायेगी तथा Mutation भी तदनुसार कराया जाय। साथ ही संस्था के प्रबन्धन के लिये एक ठोस प्रबन्धकीय व्यवस्था तथा सक्षम CEO/CMS/MS की व्यवस्था भी की जाय।
- 22— इस मद में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2008—09 के अनुदान सं0—07 लेखाशीर्षक 4059— लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय 80—सामान्य 800—अन्य भवन 01—केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनायें 0101—12वें वित्त आयोग के अन्तर्गत राज्य अवस्थापना विकास —आयोजनागत— 24—वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 23- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-175 (P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2008 दिनांक 08.09.2008 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,

(सुनीलश्री पांथरी) उप सचिव

06 / 2004

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- प्रमुख सचिव, मा० मुख्यमंत्री।
- 2- निजी सचिव, मा० चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री।
- 3- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
- 4- स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड।
- आयुक्त गढ़वाल / कुमाऊं मण्डल उत्तराखण्ड।
- जिलाधिकारी, देहरादून।
- वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
- मुख्य चिकित्साधिकारी, देहरादून।
- 9- निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 10- मुख्य कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, देहरादून।
- 11- सचिव, गांधी शताब्दि नेत्र चिकित्सालय, देंहरादून।
- 12- अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, निर्मोण खण्ड, देहरादून।
- 13- बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
- 14- वित्त आयोग निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 15- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3 / नियोजन विभाग / एन०आई०सी०।
- 16- गार्ड फाईल।

(सुनीलश्री पांथरी) उप सचिव

्धा सन